मेन्स मास्टर

एक मायावी भव्य सौदा

प्रसंग

• अमेरिका-चीन संबंध प्रतिस्पर्धा और सहयोग के जटिल मिश्रण से परिभाषित होते हैं। बिडेन प्रशासन उभरते चीन के साथ "जिम्मेदार प्रतिस्पर्धा" चाहता है।

• जबकि वैश्विक मुद्दों पर जुड़ाव की आवश्यकता है, भारतीय रणनीतिक समुदाय में कई लोग सावधान हैं, उन्हें डर है कि अमेरिका सहयोगियों और भागीदारों की कीमत पर चीन के साथ समायोजन को प्राथमिकता देगा।

पृष्ठभूमि

• चीन की बढ़ती आर्थिक ताकत और अमेरिका को एशिया से बाहर धकेलने की उसकी कोशिशों ने बीजिंग के खिलाफ पीछे हटने की जरूरत पर अमेरिका में द्विदलीय सहमति को बढ़ावा दिया है।

• हालाँकि, रिपब्लिकन चीनी प्रभाव को वापस लेने के लिए अधिक टकरावपूर्ण दृष्टिकोण की वकालत करते हैं, जबकि डेमोक्रेट मापा प्रतिस्पर्धा के पक्ष में हैं।

संयुक्त राज्य अमेरिका की स्थानांतरण रणनीति

• **इंगेजमेंट ट्रैक:** ट्रेजरी सचिव येलेन की चीन यात्रा के साथ बिडेन और शी जिनपिंग के बीच उच्च स्तरीय वार्ता, उभरते तकनीकी क्षेत्रों पर हावी होने के खिलाफ चीन को चेतावनी देते हुए लाभकारी आर्थिक संबंधों को बनाए रखने के प्रयास का संकेत देती है।

• **प्रतिस्पर्धा ट्रैक:** जापानी पीएम किशिदा के साथ बिडेन की राजकीय यात्रा का उद्देश्य दोनों देशों के बीच सैन्य-तकनीकी सहयोग को मजबूत करना है, जापान बिडेन की इंडो-पैसिफिक रणनीति का एक महत्वपूर्ण हिस्सा बन रहा है। शांतिवाद से जापान का बदलाव एक प्रमुख भूराजनीतिक विकास है।

चीन-अमेरिकी अभिसरण के संकेत

• दोनों पक्षों में शामिल होने की इच्छा (कम से कम सैद्धांतिक रूप से) है, जो मुख्य रूप से आर्थिक अंतरनिर्भरता और वैश्विक चुनौतियों से निपटने की आवश्यकता से प्रेरित है।

चीन-अमेरिकी अभिसरण की रणनीतिक संभावना

• राजनीतिक प्रणालियों और रणनीतिक लक्ष्यों में बुनियादी मतभेदों के कारण पूर्ण अभिसरण असंभव लगता है।

• अमेरिका चीन के उदय को अपनी वैश्विक स्थिति के लिए एक चुनौती के रूप में देखता है, जबकि चीन एशिया में अधिक क्षेत्रीय प्रभुत्व चाहता है।

इंडो-पैसिफिक में भूमिका

• यह गतिशीलता भारत जैसे देशों के लिए साझेदारी का लाभ उठाने, रणनीतिक स्वायत्तता बढ़ाने और क्षेत्र के भीतर अपने प्रभाव का दावा करने के अवसर पैदा करती है।

मित्र राष्ट्रों के प्रति संयुक्त राज्य अमेरिका का दृष्टिकोण

• **बिडेन का दृष्टिकोण इस पर केंद्रित है:**
  ◦ जापान के साथ जैसे द्विपक्षीय गठबंधन स्थापित किए गए।
  ◦ चीन की तकनीकी महत्वाकांक्षाओं का मुकाबला करने के लिए जापान को शामिल करने के लिए AUKUS ढांचे का विस्तार करना।
  ◦ संसाधनों को एकत्रित करने और प्रतिरोधक क्षमता बढ़ाने के लिए नई लघुपक्षीय संरचनाएं (द क्वाड, चिप फोर अलायंस) बनाना।
  ◦ एशिया में सुरक्षा नेटवर्क बनाने के लिए अमेरिकी सहयोगियों के बीच साझेदारी को प्रोत्साहित करना।

क्या भारत को चिंतित होने की ज़रूरत है?

• भारत को चीन के साथ संभावित अमेरिकी समझौते पर नजर रखने की जरूरत है जो उसके साझेदारों की कीमत पर आ सकता है।

हालाँकि, वर्तमान अमेरिकी रणनीति भारत को आगे बढ़ने के लिए पर्याप्त जगह प्रदान करती है:

  ◦ अमेरिका और चीन की प्रतिस्पर्धा के कारण क्षेत्रीय खिलाड़ियों के लिए बड़ी एजेंसी।
  ◦ अमेरिका के नेतृत्व वाले ढांचे के भीतर और बाहर साझेदारी बनाने के अवसर।
  ◦ चीन के प्रभाव का मुकाबला करने के लिए अमेरिका की ओर से ध्यान और समर्थन बढ़ाया गया।

भारत के पास उपलब्ध रणनीतिक विकल्प

• **मौजूदा साझेदारियों को मजबूत करें:** अमेरिका, जापान, ऑस्ट्रेलिया और चतुर्भुज सुरक्षा संवाद (क्वाड) के सदस्यों सहित भारत-प्रशांत क्षेत्र में साझेदारों के साथ मौजूदा रक्षा और सुरक्षा सहयोग को गहरा करें।

• **साझेदारी में विविधता लाएं:** चीन के प्रभुत्व को लेकर चिंतित यूरोपीय देशों के साथ सहयोग के रास्ते तलाशते हुए वियतनाम, इंडोनेशिया और दक्षिण कोरिया जैसी अन्य क्षेत्रीय शक्तियों के साथ मजबूत रणनीतिक संबंध बनाएं।

• **रणनीतिक स्वायत्तता:** किसी एक शक्ति गुट के साथ प्रत्यक्ष संरेखण से बचते हुए साझेदारी को संतुलित करके रणनीतिक स्वायत्तता विकसित करें। भारत के अपने राष्ट्रीय हितों और निर्णय लेने को प्राथमिकता दें।

• **स्वदेशी रक्षा विकास:** बाहरी शक्तियों पर निर्भरता कम करने और आत्मनिर्भरता बढ़ाने के लिए स्वदेशी रक्षा क्षमताओं के निर्माण पर ध्यान केंद्रित करें।

• **आर्थिक पहल:** क्षेत्रीय आर्थिक पहल को आगे बढ़ाएं जो चीन पर निर्भरता को कम करें और भारतीय प्रभाव को बढ़ावा दें, संभावित रूप से बेल्ट और रोड पहल जैसी चीन के नेतृत्व वाली परियोजनाओं के विकल्प तलाशें।

आगे बढ़ने का रास्ता

• **बहुपक्षीय जुड़ाव:** भारत के हितों को प्रतिबिंबित करने वाले क्षेत्रीय मानदंडों और मानकों को आकार देने के लिए बहुपक्षीय मंचों और संस्थानों में सक्रिय रूप से भाग लें।

• **समुद्री शक्ति:** संचार के समुद्री मार्गों की रक्षा करने और हिंद महासागर में चीनी प्रभाव का मुकाबला करने के लिए भारत की नौसैनिक शक्ति और क्षमताओं का विकास जारी रखें।

• **सॉफ्ट पावर:** क्षेत्र में सांस्कृतिक कूटनीति, शिक्षा आदान-प्रदान और विकास सहायता के माध्यम से सॉफ्ट पावर प्रक्षेपण को बढ़ाने में और निवेश करें।

• **प्रौद्योगिकी और नवाचार:** रणनीतिक और आर्थिक प्रतिस्पर्धा बनाए रखने के लिए कृत्रिम बुद्धिमत्ता, साइबर सुरक्षा और अंतरिक्ष जैसी महत्वपूर्ण प्रौद्योगिकियों में उन्नति को प्राथमिकता दें।

निष्कर्ष

• जबकि अमेरिका-चीन की गतिशीलता जटिल और अनिश्चित बनी हुई है, यह भारत के महत्व पर प्रकाश डालती है:
  ◦ बदलते भूराजनीतिक परिदृश्य में रणनीतिक स्वायत्तता हासिल करना।
  ◦ चीन के साथ अमेरिकी प्रतिस्पर्धा द्वारा प्रदान किए गए अवसरों का लाभ उठाना।
  ◦ इंडो-पैसिफिक पर विशेष ध्यान देने के साथ एक स्वतंत्र और मजबूत विदेश नीति विकसित करना।

जलवायु संकट लिंग-निरपेक्ष नहीं है

प्रसंग

• जलवायु संकट एक वैश्विक ख़तरा है, जिसके विशेष रूप से विकासशील देशों में महिलाओं और लड़कियों पर प्रतिकूल और गंभीर परिणाम होंगे।

पृष्ठभूमि

• जलवायु परिवर्तन स्वास्थ्य, आजीविका और सामाजिक संरचनाओं पर अपने प्रतिकूल प्रभावों के माध्यम से मौजूदा लैंगिक असमानताओं को बढ़ाता है। (यूएनडीपी)

• सूखा, खाद्य असुरक्षा, गर्मी की लहरें, वायु प्रदूषण और चरम मौसम जैसी जलवायु-प्रेरित घटनाओं ने महिलाओं पर बोझ बढ़ा दिया है, जिससे उनकी शारीरिक और मानसिक भलाई के लिए खतरा पैदा हो गया है।

जलवायु संकट बदतर होता जा रहा है लैंगिक अन्याय

• **कृषि:** महिलाएँ कृषि में प्रमुख भूमिका निभाती हैं, विशेषकर ग्रामीण क्षेत्रों में। जलवायु परिवर्तन फसल की पैदावार में कमी और खाद्य असुरक्षा में योगदान देता है, महिला नेतृत्व वाले परिवारों पर प्रतिकूल प्रभाव डालता है और कुपोषण और गरीबी के प्रति उनकी संवेदनशीलता को बढ़ाता है। (एफएओ)

• **चरम मौसम:** जलवायु-प्रेरित आपदाओं के कारण लिंग आधारित हिंसा में चिंताजनक वृद्धि होती है। आपदाएँ सुरक्षित पानी तक पहुंच को भी सीमित कर देती हैं, जिससे महिलाओं और लड़कियों पर घरेलू और देखभाल का बोझ बढ़ जाता है। किसी आपदा के दौरान पुरुषों की तुलना में महिलाओं के मरने की संभावना 14 गुना अधिक होती है। (यूएनडीपी)

• **स्वास्थ्य:**
  ◦ लंबे समय तक चलने वाली गर्म लहरें गर्भवती महिलाओं (समय से पहले जन्म, एक्लम्पसिया), शिशुओं और बुजुर्गों के लिए गंभीर स्वास्थ्य जोखिम पैदा करती हैं। (कौन)
  ◦ वायु प्रदूषण गंभीर ख़तरा:
    ■ PM2.5 में प्रत्येक 10 माइक्रोग्राम प्रति घन मीटर की वृद्धि से फेफड़ों के कैंसर का खतरा 9%, हृदय संबंधी मृत्यु का जोखिम 3% और स्ट्रोक का खतरा 8% बढ़ जाता है। (भारतीय समूह अध्ययन)

आशय

• जलवायु प्रभाव लिंग, सामाजिक आर्थिक स्थिति और स्थान सहित जटिल कारकों के आधार पर भिन्न होते हैं। कमजोरियों और लक्ष्य समर्थन प्रयासों की अंतर्संबंधता को संबोधित करने के लिए मजबूत अनुसंधान की आवश्यकता है। (आईपीसीसी)

जलवायु संकट का समाधान लैंगिक न्याय की ओर प्रवाहित होता है

• **सशक्तिकरण:** अध्ययनों से पता चलता है कि जब महिला किसानों को अपने पुरुष समकक्षों के समान संसाधनों तक पहुंच मिलती है, तो पैदावार 20-30% बढ़ जाती है। आदिवासी और ग्रामीण महिलाएँ संरक्षण के लिए महत्वपूर्ण हैं; स्थानीय जलवायु समाधानों के लिए उनका ज्ञान और नेतृत्व आवश्यक है। (एफएओ)

• **डेटा-संचालित नीति:** जलवायु परिवर्तन महिलाओं और लड़कियों को प्रभावित करने वाले विशिष्ट तरीकों को समझने के लिए लिंग-विभाजित डेटा महत्वपूर्ण है, जो केंद्रित अनुकूलन नीतियों के निर्माण को सक्षम बनाता है।

• **गर्मी और पानी के लचीलेपन को प्राथमिकता देना:** हीटवेव और पानी की कमी के प्रभावों को कम करना न केवल जीवन बचाता है बल्कि महिलाओं के लिए बढ़ते जोखिमों को भी विशेष रूप से संबोधित करता है। इसमें लिंग-समानता केंद्रित लेंस के साथ हीट शेल्टर, प्रारंभिक चेतावनी प्रणाली और जल बुनियादी ढांचा प्रदान करना शामिल है।
• **भागीदारी दृष्टिकोण:** जब महिलाएं और महिलाओं का समूह सामुदायिक स्तर पर जलवायु कार्रवाई की योजना और कार्यान्वयन के केंद्र में होता है तो समाधान अधिक प्रभावी और टिकाऊ होते हैं।

जलवायु संकट से लड़ने के लिए सुधारात्मक कदम

• **लिंग-संवेदनशील नीति:** सभी स्तरों (राष्ट्रीय से स्थानीय) पर जलवायु कार्य योजनाओं को स्पष्ट रूप से महिलाओं पर बढ़ते प्रभाव को संबोधित करना चाहिए और सक्रिय रूप से जलवायु संकट से गहराए लिंग-आधारित असमानताओं को दूर करने का प्रयास करना चाहिए।
• **कथा में बदलाव:** महिलाओं को केवल पीड़ितों के रूप में चित्रित किए जाने के बजाय लचीलेपन की रणनीतियों में बदलाव के शक्तिशाली एजेंट के रूप में देखा जाना चाहिए। महिलाओं के ज्ञान, कौशल और अनुभवों को उजागर करना जलवायु समाधानों में सबसे आगे महत्वपूर्ण दृष्टिकोण लाता है।

निष्कर्ष

डॉ. स्वामीनाथन का विश्लेषण जलवायु संकट और लैंगिक न्याय के संघर्ष के बीच तत्काल संबंध को रेखांकित करता है। एक लचीला भविष्य बनाने और पेरिस समझौते के लक्ष्यों को प्राप्त करने के लिए सक्रिय और लिंग-समावेशी कार्रवाई अनिवार्य है। महिलाओं को सशक्त बनाने और उनकी अनूठी कमजोरियों को दूर किए बिना, जलवायु कार्रवाई अधूरी और अप्रभावी बनी हुई है

मेन्स इन शॉर्ट्स

खाद्य मुद्रास्फीति का पूर्वानुमान

भारत में खाद्य मुद्रास्फीति का पूर्वानुमान

खाद्य मुद्रास्फीति में नरमी के कारण:
1. वैश्विक कीमतों में ढील - आयात को अधिक व्यवहार्य बनाना
2. संभावित ला नीना घटना - आरबीआई को ब्याज दरों में कटौती की अनुमति देता है

प्रमुख डेटा बिंदु:
एफएओ खाद्य मूल्य सूचकांक
[चार्ट खाद्य मूल्य सूचकांक, अनाज सूचकांक और वनस्पति तेल सूचकांक में गिरावट दिखा रहा है]

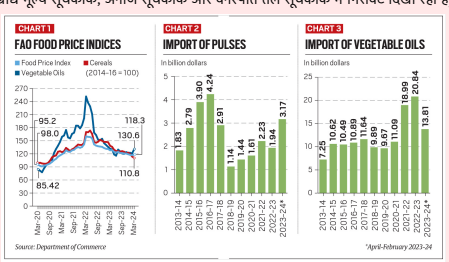

दालों का आयात
[चार्ट 2017-18 में दाल आयात में 1.79 बिलियन डॉलर से बढ़कर 2023-24 में 2.91 बिलियन डॉलर तक की वृद्धि दर्शा रहा है]
वेजीडेटा तेलों का आयात
[चार्ट 3 वनस्पति तेल आयात में 2013-14 में 10.92 बिलियन डॉलर से 2023-24 में 20.64 बिलियन डॉलर तक की वृद्धि दर्शाता है]

यूक्रेन-रूस संघर्ष का प्रभाव:
- गेहूं की आपूर्ति बाधित हुई, लेकिन रूस और यूक्रेन से नई फसल के जुलाई-अगस्त तक स्थिर होने की उम्मीद है

ला नीना की भूमिका:
- मौसम के मिजाज को प्रभावित कर सकता है, लेकिन कुल मिलाकर प्रबंधनीय प्रभाव
- आरबीआई को ब्याज दरों में कटौती पर विचार करने की अनुमति देता है

आरबीआई के लिए निहितार्थ:
- खाद्य मुद्रास्फीति में नरमी से ब्याज दरों में कटौती का अवसर मिलता है
- यह आर्थिक विकास को समर्थन देने में मदद कर सकता है, जो केंद्रीय बैंक के लिए एक प्रमुख चिंता का विषय है

निष्कर्ष में, भारत में खाद्य मुद्रास्फीति के लिए एक सकारात्मक दृष्टिकोण है, जो वैश्विक कीमतों में कमी और ला नीना घटना के संभावित प्रभाव से प्रेरित है, जिससे आरबीआई को ब्याज दरों में कटौती करने और समग्र आर्थिक सुधार का समर्थन करने के लिए जगह मिलनी चाहिए।

प्रीलिम्स बूस्टर

'गॉड पार्टिकल' के अस्तित्व का प्रस्ताव देने वाले पीटर हिग्स का निधन

🔬 नोबेल पुरस्कार विजेता भौतिक विज्ञानी पीटर हिग्स, जिन्हें "गॉड पार्टिकल" या हिग्स बोसोन के अस्तित्व का प्रस्ताव देने के लिए जाना जाता है, का 94 वर्ष की आयु में निधन हो गया।🌌 हिग्स बोसोन पर श्री हिग्स के 1964 के अभूतपूर्व सिद्धांत ने बताया कि कैसे उप-परमाणु कण द्रव्यमान प्राप्त करते हैं, ए भौतिकी में मानक मॉडल का प्रमुख पहलू। ⚛️ 2012 में लार्ज हैड्रॉन कोलाइडर में हिग्स बोसोन की खोज ने श्री हिग्स के सिद्धांत की पुष्टि की, जिससे उन्हें 2013 में भौतिकी में नोबेल पुरस्कार मिला। एडिनबर्ग विश्वविद्यालय ने श्री हिग्स की एक प्रतिभाशाली वैज्ञानिक के रूप में प्रशंसा की, जिनके काम ने अनगिनत शोधकर्ताओं और इच्छाशक्ति को प्रेरित किया है। भावी पीढ़ियों को प्रभावित करना जारी रखें।

🔬 हिग्स बोसोन, कण भौतिकी में एक मौलिक कण, हिग्स क्षेत्र से जुड़ा हुआ है, जो अन्य उप-परमाणु कणों को द्रव्यमान देता है। 🌌 हिग्स बोसोन के बारे में मुख्य बिंदु: 💥 कण भौतिकी के मानक मॉडल द्वारा भविष्यवाणी की गई, हिग्स बोसोन के अस्तित्व को मौलिक कणों और उनकी बातचीत का वर्णन करने वाले व्यापक सिद्धांत के हिस्से के रूप में अनुमानित किया गया था। 🔍 2012 में CERN में लार्ज हैड्रॉन कोलाइडर (LHC) में एटलस और CMS प्रयोगों द्वारा इसकी खोज की गई, जिससे इसके अस्तित्व की पुष्टि हुई।

⚛️ हिग्स क्षेत्र कणों के साथ परस्पर क्रिया करता है, उनकी अंतःक्रिया के आधार पर द्रव्यमान प्रदान करता है, मजबूत अंतःक्रिया से अधिक द्रव्यमान उत्पन्न होता है।

🌌 ब्रह्मांड को समझने के लिए महत्वपूर्ण, हिग्स बोसोन की खोज ने पुष्टि की कि कण कैसे द्रव्यमान प्राप्त करते हैं और प्रारंभिक ब्रह्मांड में अंतर्दृष्टि प्रदान करते हैं।

🔬 चल रहा शोध पदार्थ और ब्रह्मांड की मौलिक प्रकृति के बारे में हमारी समझ को गहरा करने के लिए हिग्स बोसोन के गुणों का अध्ययन करने पर केंद्रित है।

गुड़ी पड़वा

🎉 गुड़ी पड़वा एक वसंत त्योहार है जो चैत्र महीने की शुरुआत में महाराष्ट्र, गोवा और दमन में मराठी और कोंकणी हिंदुओं के लिए चंद्र-सौर नए साल का प्रतीक है।

🌺 उत्सव में रंगीन रंगोली सजावट, फूलों, आम, नीम के पत्तों, चीनी क्रिस्टल मालाओं और उल्टे चांदी या तांबे के बर्तनों से सजी एक विशेष गुड़ी ध्वज शामिल है।

🎶 उत्सवों में सड़क पर सभा करना, नृत्य करना और उत्सव के भोजन का आनंद लेना शामिल है।

🌙 महाराष्ट्र में गुड़ी पड़वा के रूप में जाना जाता है, इस दिन को कोंकणी में पड़वो, तेलुगु में पद्यामी और कन्नड़ में युगादि कहा जाता है।

🌄 तेलुगु हिंदू उगादी मनाते हैं, जबकि सिंधी लोग चेटी चंद मनाते हैं।

🌅 जबकि गुड़ी पड़वा मराठी और कोंकणी हिंदुओं के लिए महत्वपूर्ण है, गुजरात जैसे अन्य क्षेत्र दिवाली के दौरान अपना नया साल मनाते हैं, और वैसाखी दक्षिण पूर्व एशिया में हिंदुओं और बौद्धों के बीच लोकप्रिय है।

नौसेना प्रमुख ने कारवार नौसैनिक अड्डे पर नई सुविधाओं का उद्घाटन किया

⚓ नौसेना प्रमुख एडमिरल आर. हरि कुमार ने प्रोजेक्ट सीबर्ड चरण IIA के हिस्से के रूप में नौसेना बेस कारवार में अपतटीय गश्ती जहाजों (ओपीवी) और आवासीय आवास के लिए 350 मीटर लंबे प्रमुख घाट का उद्घाटन किया।

🏗️ नया ओपीवी पियर विभिन्न तट-आधारित सेवाएं और सुविधाएं प्रदान करते हुए, ओपीवी, बड़े सर्वेक्षण जहाजों और खदान जवाबी जहाजों को खड़ा कर सकता है।

🏘️ आवासीय सुविधाओं में विवाहित और एकल अधिकारियों के लिए टावरों के साथ-साथ रक्षा नागरिकों के लिए टाइप- II आवास शामिल हैं।

💼 एक बार पूरा होने पर, प्रोजेक्ट सीबर्ड चरण IIA में लगभग 10,000 कर्मियों को रखा जाएगा, जिससे स्थानीय अर्थव्यवस्था और औद्योगिक विकास को बढ़ावा मिलेगा, साथ ही नौसेना एयर स्टेशन से उत्तरी कर्नाटक और दक्षिण गोवा में पर्यटन बढ़ने की उम्मीद है।

👷 इस परियोजना ने 90% से अधिक सामग्रियों को घरेलू स्तर पर सोर्स करके आत्मनिर्भर भारत पहल के साथ तालमेल बिठाते हुए हजारों प्रत्यक्ष और अप्रत्यक्ष नौकरियां पैदा की हैं।

जिबूती में जहाज दुर्घटना में मरने वाले प्रवासियों की संख्या

🏝️ अफ्रीका के हॉर्न पर स्थित जिबूती, मुख्य रूप से फ्रांसीसी और अरबी भाषी देश है जो अपने शुष्क झाड़ियों, ज्वालामुखीय परिदृश्य और अदन की खाड़ी के समुद्र तटों के लिए जाना जाता है।

🏜️ यह देश असल झील का घर है, जो वैश्विक स्तर पर पानी के सबसे नमकीन निकायों में से एक है, जो डैनकिल रेगिस्तान के निचले हिस्से में स्थित है।

⛰️ खानाबदोश अफ़ार लोगों की बस्तियाँ अब्बे झील के पास हैं, जो अद्वितीय चिमनी जैसी खनिज संरचनाओं वाला एक खारा पानी है।

t.me/pragyeshIASMENTOR Pragyesh IAS pragyesh.org